Course-07

- Pedagogy of Social Science की

सामाजिक विज्ञान :-

Unit-02 ; Topic- 'पाठ-योजना' - उपागम, (प्रकार) प्रकार एवं प्रारूप
- Part-II -

(Lesson-Plan-Approaches, Kinds & Formats)

आर० सी० ई० एम० उपागम (RCEM Approach) —

पाठयोजना का इस उपागम को रीजनल कॉलेज ऑफ एजूकेशन, मैसूर के डॉ० दवे महोदय द्वारा विकसित किया गया। पूर्व उपागमों की तुलना में इसे अधिक व्यवहारिक माना गया क्योंकि इसमें शिक्षण अधिगम क्रिया में उद्दीपन (Stimulus) तथा अनुक्रिया की अपेक्षा मानसिक क्रियाओं को अधिक महत्व दिया गया है। इसमें लक्ष्यों के निर्धारण में ब्लूम की टैक्सोनोमी को ही प्रयुक्त किया किन्तु ज्ञानात्मक पक्ष के छः वर्गों के स्थान पर चार- ज्ञान, बोध, प्रयोग और सृजनात्मक को ही लिया गया। अन्तिम तीन वर्गों — विश्लेषण, संश्लेषण तथा मूल्यांकन को सृजनात्मक लक्ष्य में सम्मिलित किया गया। इस प्रकार इसमें ज्ञानात्मक पक्ष में चार भागों और मानसिक योग्यताओं का विकास किया जाता है। यही भावात्मक एवं क्रियात्मक पक्ष के लिये भी उपयोगी है।

इस उपागम में शिक्षण लक्ष्यों को निर्धारित कर लिया जाता है। तत्पश्चात पढ़ाए जानेवाले पाठ की विषय-वस्तु के तथ्यों को प्रयुक्त करते हुए अपेक्षित व्यवहारिक परिवर्तन के रूप में लिखा जाता है।

आर० सी० ई० एम० उपागम के सोपान (Steps of the Approach) —

P.T.O.

NM 16/05/2020

आर० सी० ई० एम० उपागम के तीन प्रमुख सोपान (Steps) निम्न लिखित हैं — 1 अदा (Input)
2 प्रक्रिया (Process)
3 - प्रदा (Output)

अदा (Input) :— इसके ~~अन्तर्गत~~ अन्तर्गत अपेक्षित परिवर्तनों (Expected Behavioural outcomes) (EBOs) को निर्धारित किया जाता है। तत्पश्चात् ज्ञान, बोध, प्रयोग तथा सृजनात्मक लक्ष्यों को 17 मानसिक योग्यताओं में वर्गीकृत करके उसकी सहायता से शिक्षण लक्ष्यों को व्यवहारिक रूप में लिखा जाता है।

प्रक्रिया (Process) :— निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षण की प्रक्रिया सुनिश्चित की जाती है। शिक्षक प्रस्तुत प्रकरण की विषयवस्तु के अनुरूप शिक्षण ~~विधियों~~ युक्तियों एवं विधियों का चयन करता है ताकि उपयुक्त अधिगम परिस्थितियाँ उत्पन्न की जा सके, छात्र अभिप्रेरित किये जा सकें और उन्हें शिक्षण प्रक्रिया में सक्रिय रखा रखा जा सके इस पद में शिक्षक और छात्र दोनों की क्रियाएँ सम्मिलित रहती हैं।

प्रदा (Out-put) :— प्रदा के अन्तर्गत छात्रों के वास्तविक व्यवहारिक परिवर्तन अंकित होते हैं। इन्हें ~~वास्त~~ वास्तविक अधिगम प्रदा (Real Learning outcomes) (RLOs) कहा जाता है। इसके लिये शिक्षक विविध प्रकार की मापन प्रविधियों का उपयोग (करें?) या करते हैं। मापन की प्रविधियाँ (Technology Technics) अपेक्षित व्यवहारिक परिवर्तन (EBOs) पर आधारित होती हैं। शिक्षक लिखित व मौखिक दोनों प्रकार की परीक्षाओं का प्रयोग करते हैं।

P.T.O.

इसमें शिक्षक अपने शिक्षण के साथ ही शिक्षण लक्ष्यों (Aim) की जानकारी भी रखता है।

पाठ नियोजन का प्रारूप

पाठ योजना - संख्या -

दिनांक - विषय - चक्र

कक्षा - प्रकरण - अवधि

शिक्षण लक्ष्य - अपेक्षित व्यवहारिक परिवर्तन

सहायक सामग्री

शिक्षण विधि

पूर्व ज्ञान

उद्देश्य कथन

प्रस्तावना शिक्षक क्रियाएँ छात्र क्रियाएँ श्यामपट्ट कार्य

श्यामपट्ट सारांश -

मूल्यांकन -

गृह कार्य -

सन्दर्भ ग्रन्थ -

आर० सी० ई० एम० उपागम की विशेषताएँ - इस उपागम की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं -

(1) इस उपागम द्वारा पाठ नियोजन अत्यन्त सरल है।

(2) इसमें अन्य उपागमों की तुलना में लक्ष्यों का व्यवहारिक रूप अधिक सुनिश्चित तथा विशिष्ट होता है।

(3) यह उपागम तीनों पक्षों (ज्ञानात्मक, भावात्मक एवं मनोगत्यात्मक) के लिए उपयोगी है।

(4) इसमें प्रक्रिया पर अधिक बल दिया जाता है।

(5) इसमें मानसिक योग्यताओं पर विशेष बल दिया जाता है।

P.T.O.

इस उपागम की सीमाएँ — इस उपागम की निम्नलिखित सीमाएँ हैं —

(1) यह उपागम 17 मानसिक योग्यताओं का मनोवैज्ञानिक आधार प्रस्तुत करने में असफल है क्योंकि गिलफोर्ड ने 120 मानसिक योग्यताओं का उल्लेख किया है।

(2) विषयवस्तु के प्रत्येक अंश को मानसिक क्रिया के रूप में व्यक्त करना कठिन है।

(3) विषय के तथ्यों को उचित मानसिक क्रियाओं में रखना भी दुरूह कार्य है।

(4) इस उपागम में विभिन्न लक्ष्यों के लिये मानसिक क्रियाओं की स्थिति भी व्यवहारिक प्रतीत नहीं होती है क्योंकि इसमें ज्ञान के लिये 02, बोध के लिए 7, प्रयोग के लिये 5 और सृजनात्मक के लिए 3 मानसिक क्रियाएँ कुल- 17 दी गयी हैं।

प्रस्तुतीकरण (Presentation):—

	अदा (Input)	प्रक्रिया (Process)		प्रदा (Output)
शिक्षण बिन्दु	अनुदेशन	शिक्षण सम्प्रेषण विधि		मूल्यांकन
	अपेक्षित व्यवहार परिवर्तन (EBOs)	अधिगम के अनुभव		वास्तविक व्यवहार परिवर्तन (RLOs)
		शिक्षक की क्रियाएँ	छात्र की क्रियाएँ	
	1. ज्ञान	व्याख्या आदि स्पष्टीकरण।	सुनना, लिखना तथा प्रतिक्रिया	पुनरावृत्ति प्रश्न परिभाषा आदि
	2. बोध	वाद-विवाद, समस्या समाधान, प्रदर्शन	तथ्य, अभिव्यक्ति, समझना, पहचानना	व्याख्यात्मक प्रश्न समस्या समाधान
	3. प्रयोग	समस्या समाधान, प्रयोगशाला कार्य	प्रयोग करके अनुभव लेना, वास्तविक तत्वों का विश्लेषण करना	प्रयोगात्मक परीक्षा देना
	सृजनात्मक	नई समस्याओं का समाधान कार्य पूरा किया जाना।	निर्णय लेना, सम्बन्ध स्थापित करना।	आलोचनात्मक प्रश्न पूछना, नई समस्या उत्पन्न करना, समाधान निकालना

P.T.O. →

एन० सी० ई० आर० टी० उपागम (NCERT Approach) —

प्रो० एन० आर० लाजाछेव और जे० पी० सूरी ने भी शिक्षण लक्ष्यों की टेक्नोलोजी पर राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद नई दिल्ली में कार्य किया। इन्होंने स्कूली विषयों के शैक्षिक लक्ष्यों में तीन शिक्षण लक्ष्यों में ज्ञानात्मक पक्ष के ज्ञान, बोध और अनुप्रयोग को ही अपनाया क्योंकि अनुप्रयोग में विश्लेषण, संश्लेषण और मूल्यांकन तीनों को ही समाहित मान लिया गया है। इसके अतिरिक्त भावात्मक पक्ष को रुचि और अभिवृत्ति में तथा मनोशारीरिक पक्ष को कौशल में ही सीमित रखा गया। इस प्रकार वर्तमान समय में 'पाठ योजना' में पाठ नियोजन में ज्ञान, बोध, अनुप्रयोग, कौशल, रुचि एवं अभिवृत्ति को लिखने पर बल दिया जा रहा है क्योंकि इससे शिक्षण एवं मूल्यांकन की विधियों को सुनिश्चित करना सरल हो जाता है। इस उपागम के अनुसार शिक्षण लक्ष्य का छः वर्ग — ज्ञान, अवबोध, अनुप्रयोग, कौशल, रुचि एवं अभिवृत्ति तथा अपेक्षित व्यवहारिक परिवर्तन के 31 व्यावहारिक परिवर्तन छात्रों में देखे जा सकते हैं।

पाठ योजना के प्रकार (Types of Lesson Plan) —

शिक्षण योजना को पाठ्यवस्तु एवं उपलब्ध समयावधि में की दृष्टिकोण से निम्नलिखित तीन भागों में विभक्त किया जा सकता है —

(1) वार्षिक या सत्रीय योजना (Annual Planning)
(2) इकाई योजना (Unit Plan)
(3) दैनिक-पाठ-योजना (Daily Lesson Plan) —

वार्षिक योजना — वार्षिक योजना से तात्पर्य उस

P.T.O.

शिक्षण योजना से है जो कि किसी कक्षा इस विषय के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम की वांछित उद्देश्यों एवं उपलब्ध संसाधनों के आधार पर एक सत्र में शिक्षक द्वारा बनाई जाती है। इसे दीर्घकालीन योजना भी कहते हैं। दूसरे शब्दों में पूरे वर्ष में किस माह में कितने कार्यदिवसों में कितने कालांश किस विषयवस्तु के होंगे तथा उनके शिक्षण के लिए कौन-कौन सी विधियों, प्रविधियों, सहायक सामग्रियों आदि प्रयुक्त करनी है, उसकी योजना बनाना वार्षिक योजना है। इस योजना से अध्यापक को ज्ञात रहता है कि किस विषयवस्तु को कितना महत्व देना है और कितने समय में पूरा करना है। यदि किसी माह कार्य आकस्मिक व्यवधान के कारण पूरा नहीं हो पाता है तो अध्यापक को अगले माह उसका समायोजन करने में सरलता रहती है। शिक्षण के लिए आवश्यक ऐसे साधन जिनकी व्यवस्था अध्यापक को विद्यालय के बाहर के स्रोतों से करनी है, उनकी व्यवस्था करना वार्षिक पाठ-योजना के कारण सरल हो जाता है।

इकाई योजना (Unit-Plan)—

एक इकाई के शिक्षण हेतु बनाई गई योजना इकाई योजना कहलाती है। इकाई शब्द का प्रचलन सामूहिक कार्यों के संगठन हेतु किया गया था। सन् 1920 ई० के पश्चात् शिक्षा जगत में पाठ्यवस्तु को इकाइयों के रूप में संजोया जाने लगा।

क्वालिस एवं हन्ना के अनुसार— "इकाई का बोध उस सामग्री से होता है जो किसी सामान्य सिद्धान्त, प्रक्रिया, संस्कृति अथवा जीवन-यापन के किसी क्षेत्र

के चारों ओर संगठित हो गये हो और जो अपेक्षित परिवर्तनों की दिशा में निर्देशित होकर सीखने के अनुभवों को एकता प्रदान करती हो।"

एक इकाई विद्वान प्रो० एच० सी० मॉरीसन के अनुसार- "इकाई किसी संगठित विज्ञान, कला अथवा आचरण के वातावरण का व्यापक व महत्वपूर्ण अंग है जिसको जान लेने से व्यक्ति में अनुकूलता आती है।" अर्थात् उन्होंने इकाई को वातावरण का व्यापक और महत्वपूर्ण पहलू माना है, जिसका ज्ञान व्यक्ति के समायोजन में योग देता है।

"A unit is a comprehensive and significant aspect of the environment of an organised science of an art or of conduct, which being learnt result in an adaptation of personality." - H.C Morrison.

इकाई निर्माण के आधार—

इसके कई आधार हो सकते हैं, उन्हीं के अनुसार उन्हें विभिन्न नामों से सम्बोधित किया जाता है—

(1) क्रिया-विधि इकाई — इसमें विचार करने की प्रक्रिया प्रधान होती है। इसमें नियमों का जानना, नियमों से निष्कर्ष निकालना, और निष्कर्षों का मूल्यांकन कर सकना प्रमुख है।

(2) अध्यापन इकाई — किसी समस्या, उद्देश्य या लक्ष्य पर आधारित इकाई अध्यापन इकाई कहलाती है। इसे 'क्रुग' (Krug) विशिष्ट पाठ-योजना भी कहते हैं।

(3) समस्या इकाई (Problem Unit) — इसके केन्द्र

P.T.O.

समस्या रहती है जिसके समाधान हेतु विभिन्न साधनों का उपयोग किया जाता है।

(4) संसाधन इकाई — यह प्रस्तावित उद्देश्यों अध्ययन-अध्यापन क्रियाओं, मूल्यांकन प्रविधियों, सामग्री से सम्बन्धित तथ्यों का संग्रह होती है।

(5) पाठ्यपुस्तक इकाई — पाठ्य पुस्तक के प्रत्येक अध्याय पाठ से सम्बन्धित इकाई जिसमें पाठ विषयक सामग्री को विशदता से प्रस्तुत किया गया हो और अध्यापक को उस पाठ को पढ़ाने के लिये उद्देश्य, अनुभव, प्रस्तुतीकरण, दृश्य-श्रव्य उपकरण तथा मूल्यांकन के बारे में आवश्यक उपयोगी निर्देश भी दिये गये हों पाठ्य पुस्तक इकाई (कहलाता है) कहा जाता है।

(6) अध्ययन-अध्यापन इकाई — यह योजना अधिगम-अनुभव सिद्धान्त पर आधारित होती है। इसके परस्पर सम्बन्धित विभिन्न क्रियाओं को सुसंगठित कर अपेक्षित परिवर्तन का प्रयत्न किया जाता है जो छात्रों की आवश्यकताओं, दक्षताओं और अभिरुचियों के पूरा करने में सहायक हों।

(7) छात्र-कार्य इकाई — समाज के सदस्य के रूप में समस्याएँ विद्यार्थी के समक्ष भविष्य में आएँगी उनके समाधान हेतु विवेक, क्षमता व दक्षता उत्पन्न करने की दृष्टि से जिन इकाइयों में इस प्रकार की सामाजिक समस्याओं के समाधान से सम्बन्धित विषय सामग्री सामग्री का चयन किया गया हो, वे छात्र कार्य इकाई कहलाती है।

— इकाई पाठ योजना का प्रारूप आगे संलग्न है —
जो "मुद्रित स्वरूप" में है ——

Note! — उपरोक्त पाठ योजना से सम्बन्धित विभिन्न उल्लेखनीय बातों का विवरण दो खण्डों में प्रस्तुत है — (खण्ड-1 तथा खण्ड-2)

Sign 17/05/2020

कक्षा—VI B

विषय—सामाजिक अध्ययन

इकाई का शीर्षक—दक्षिणी अमेरिका-प्राकृतिक साधन

इकाई शिक्षण हेतु आवश्यक कालांश—7

मूल्यांकन हेतु आवश्यक कालांश—1

प्रकरण	शिक्षण बिन्दु	उद्देश्य—व्यवहारगत परिवर्तन के रूप में अध्ययन-अध्यापन स्थितियाँ	छात्राध्यापिका क्रिया	विद्यार्थी क्रिया	सहायक सामग्री	मूल्यांकन	गृह कार्य
1. मिट्टी एवं जल	1. मिट्टी 2. जल 3. मत्स्य उद्योग।	ज्ञानात्मक—K_1 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों-मिट्टी, जल, खनिज पदार्थ, वन, फसलें, वन्य प्राणी पशुपालन, यातायात आदि के ज्ञान का प्रत्या-स्मरण कर सकेंगे। K_2 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिकी के प्राकृतिक साधनों-मिट्टी, जल, खनिज पदार्थ, वन, फसलें, वन्य प्राणी पशुपालन यातायात आदि का मानचित्र एवं रेखा- चित्र, चार्ट के माध्यम से प्रत्याभिज्ञान कर सकेंगे।	1. छात्राध्यापिका श्यामपट्ट पूर्तियाँ पूर्ण करेगी। 2. छात्राध्यापिका द्वारा पूर्व ज्ञान आधारित प्रस्ता-वना प्रश्न छात्रों से पूछे जाएँगे। 3. छात्राध्यापिका उद्देश्य कथन करेगी।	1. विद्यार्थी छात्राध्यापिका द्वारा पूछे गए प्रस्तावना प्रश्नों के उत्तर देंगे। 2. विद्यार्थी प्रकरण को अपनी उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे।	दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधन मिट्टी एवं जल के उपयोग से सम्बन्धित चार्ट। दक्षिणी अमेरिका के खनिज पदार्थ से सम्बन्धित चार्ट एवं विकासात्मक प्रश्नों का फ्लैश कार्ड।	प्र. 1. माइलो एक प्रकार की ज्वार है। सत्य/असत्य प्र. 2. चिली में कौन-सा खनिज पदार्थ पाया जाता है? प्र. 3. दक्षिणी अमेरिका के	प्र. 1. दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों (जल एवं मिट्टी) का संक्षेप में वर्णन कीजिए। प्र. 2. दक्षिणी अमेरिका में पाए जाने वाले खनिज पदार्थों

प्रकरण	शिक्षण बिन्दु	उद्देश्य—व्यवहारगत परिवर्तन के रूप में अध्ययन-अध्यापन स्थितियाँ	छात्राध्यापिका क्रिया	विद्यार्थी क्रिया	सहायक सामग्री	मूल्यांकन	गृह कार्य
2. खनिज पदार्थ	1. खनिज तेल 2. तांबा 3. चाँदी एवं अन्य खनिज पदार्थ।	**अवबोध**—U_1 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित तथ्यों की व्याख्या कर सकेंगे। U_2 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों की तुलना अन्य महाद्वीपों एवं देशों से कर सकेंगे। U_3 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों व उनके उपयोग से सम्बन्धित तथ्यों का उदाहरण दे सकेंगे। U_4 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित तथ्यों का वर्गीकरण कर सकेंगे।	4. छात्राध्यापिका श्यामपट्ट पर प्रकरण लिखकर रेखांकित करेगी। 5 छात्राध्यापिका प्रश्नोत्तर प्रविधि (विकासात्मक प्रश्न) से पाठ का विकास करेगी। 6. छात्राध्यापिका चार्ट/मानचित्र की सहायता से छात्राध्यापिका कथन करेगी।	3. विद्यार्थी उत्तरों के माध्यम से पाठ का विकास करेंगे। (विकासात्मक उत्तर)। 4. विद्यार्थी छात्राध्यापिका द्वारा किए गए कथन के स्पष्टीकरण को ध्यानपूर्वक सुनेंगे।	दक्षिणी अमेरिका से प्राप्त वन सम्पत्ति के प्रकार एवं उपयोग से सम्बन्धित चार्ट। दक्षिणी अमेरिका की फसलों का रेखांकित एवं उनके प्रति-स्थानों से सम्बन्धित चार्ट एवं मानचित्र। दक्षिणी अमेरिका के [illegible]	पशुपालन व्यवसाय से सम्बन्धित दो उदाहरण—दीजिए। प्र. 4. यदि आप दक्षिणी अमेरिका जाएँ तो वहाँ सर्वाधिक रेलमार्ग कहाँ देखने को मिलेंगे। प्र. 5. आप दक्षिणी अमेरिका के [illegible]	दक्षिणी का संक्षेप में वर्णन कीजिए। प्र. 2. दक्षिणी अमेरिका में पाए जाने वाले खनिज पदार्थों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। प्र. 3. दक्षिणी अमेरिका की वन सम्पत्ति का संक्षेप में वर्णन कीजिए। प्र. 4. दक्षिणी अमेरिका [illegible]
3. वन सम्पत्ति	1. लकड़ी 2. रबर [illegible]	**ज्ञानोपार्जन**—A_1 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से [illegible]	7. छात्राध्यापिका मुख्य बिन्दुओं को [illegible]	5. विद्यार्थी [illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

[illegible]	[illegible] बिन्दु	[illegible] रूप में अध्ययन-अध्यापन स्थितियाँ	[illegible] क्रिया	[illegible] क्रिया	[illegible]	[illegible]	[illegible]
सलें वन्य प्राणी	1. गेहूँ, मक्का और माइलो 2. कहवा तथा कोको 3. केला एवं अन्य फसलें। 1. वन्य प्राणी (बन्दर) 2. शाकाहारी वन्य प्राणी 3. माँसाहारी वन्य प्राणी	A_2 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित प्राप्त ज्ञान से अन्य लोगों को अवगत करा सकेंगे। A_3 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दे सकेंगे। **कौशल—S_1** विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित तथ्यों का चार्ट, मानचित्र, रेखाचित्र आदि बना सकेंगे। S_2 विद्यार्थी मानचित्र में सूचना अंकित कर सकेंगे। **अभिरुचि—I_1** विद्यार्थी सम्बन्धित मानचित्र, पत्र-पत्रिकाएँ देखने एवं पढ़ने में रुचि ले सकेंगे I_2 विद्यार्थी प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित कार्यक्रमों को दूरदर्शन एवं आकाशवाणी पर देखने एवं सुनने में रुचि ले सकेंगे।	समय पर विद्यार्थियों को आवश्यकतानुसार पुनर्बलन देगी। 9. छात्राध्यापिका छात्रों से बोध प्रश्न करेगी। 10. छात्राध्यापिका विद्यार्थियों से मूल्यांकन प्रश्न करेगी। 11. छात्राध्यापिका विद्यार्थियों को गृह कार्य देगी।	न्धित जानकारी प्राप्त करेंगे। 6. विद्यार्थी श्यामपट्ट सार को उत्तर-पुस्तिका में लिखेंगे। 7. विद्यार्थी बोध प्रश्नों के उत्तर देंगे। 8. विद्यार्थी अपनी सोच समझ व तर्क के आधार पर मूल्यांकन प्रश्नों को हल करेंगे। 9. विद्यार्थी गृह कार्य करके लाएँगे।	दक्षिणी अमेरिका में पशुपालन से सम्बन्धित चार्ट। दक्षिणी अमेरिका में यातायात से सम्बन्धित मानचित्र एवं सूचना अंकन। कक्षोपयोगी सामग्री-चॉक, डस्टर, पोइंटर इत्यादि।		रेखाचित्र बनाते हुए संक्षेप में वर्णन कीजिए। प्र. 5. दक्षिणी अमेरिका में पाए जाने वाले वन्य प्राणियों का संक्षेप में वर्णन कीजिए। प्र. 6. दक्षिणी अमेरिका में अल्फा-2 घास की खेती के सम्बन्ध में बताते हुए पशुपालन के मुख्य कारण बताइए।

प्रकरण	शिक्षण बिन्दु	उद्देश्य—व्यवहारगत परिवर्तन के रूप में अध्ययन-अध्यापन स्थितियाँ	छात्राध्यापिका क्रिया	विद्यार्थी क्रिया	सहायक सामग्री	मूल्यांकन	गृह कार्य
6. पशुपालन 7. यातायात	1. अल्फा-अल्फा घास 2. ऊन प्राप्ति हेतु भेड़ पालन 3. माँस प्राप्ति हेतु पशु पालन। 1. यातायात के साधनों का विकास 2. रेल मार्ग 3. वायु मार्ग।	I_1 विद्यार्थी प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित तथ्यों पर चर्चा कर सकेंगे। **अभिवृत्ति—A_1** विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित तथ्यों से ज्ञान के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास कर सकेंगे। A_2 विद्यार्थी दक्षिणी अमेरिका के प्राकृतिक साधनों से सम्बन्धित तथ्यों से ज्ञान प्राप्त कर अन्य देशों, महाद्वीपों के प्रति अन्तर्राष्ट्रीय सद्भाव की भावना का विकास कर सकेंगे।					प्र. 7. दक्षिणी अमेरिका में यातायात के साधनों का वर्णन करते हुए उसके विकास में बाधक तत्त्व बतलाइए।